दैनिक जागरण 10/07/2024

सीएसए ने विकसित की नई सरसों प्रजाति गोवर्धन

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने सरसों की नई प्रजाति गोवर्धन विकसित की है। इस प्रजाति का सरसों तेल उत्पादन अन्य प्रजातियों के मुकाबले में पांच से 7 .4 प्रतिशत तक ज्यादा है। इस प्रजाति की बोआई भी सीजन में देर से यानी 20 दिसंबर तक की जा सकेगी। कुलपति डा. आनंद सिंह ने टीम को बधाई दी है। जास

वर्ष : 16 अंक : 187 लखनऊ बुधवार, 10 जुलाई 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

मौसम

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस

सीएसए ने विकसित की सरसों की नई प्रजाति

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग द्वारा सरसों की विलंब से बोई जाने वाली (20 नवम्बर तक) तथा अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन प्रजाति का विकास किया है। इस प्रजाति से किसानों को देर से बोने की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी उन्होंने बताया कि सरसों की जो विकसित प्रजाति गोवर्धन महेश 120 से 125 दिनों में पकड़ तैयार हो जाती है इस प्रजाति में तेल की मात्रा 39 .6 फ़ीसदी तक पाई जाती है।विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रजाति ने चेक की तुलना में 4 .9 फीसद अधिक उत्पादन दिया है।जबकि उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु कृषि क्षेत्र में लगातार 3 वर्षों के परीक्षणों उपरांत राष्ट्रीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7 .81% अधिक उत्पादन दिया है। तथा तेल की मात्रा राष्ट्रीय चेकों से 7 .4% अधिक है। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4 .8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं। इस प्रजाति में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि निश्चित तौर पर यह प्रजाति प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

सत्य का असर समाचार पत्र

10,07, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय सीएसए ने विकसित की सरसों की नई प्रजाति

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
सत्य का असर समाचार पत्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग द्वारा सरसों की विलंब से बोई जाने वाली (20 नवम्बर तक) तथा अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन (केएमआरएल 17 _5) प्रजाति का विकास किया है। इस प्रजाति से किसानों को देर से बोन की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी उन्होंने बताया कि सरसों की जो विकसित प्रजाति गोवर्धन महेश 120 से 125 दिनों में पकड़ तैयार हो जाती है इस प्रजाति में तेल की मात्रा 39.6 फ़ीसदी तक पाई जाती है।विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रजाति ने चेक की तुलना में 4.9 फीसद अधिक उत्पादन दिया है।जबकि उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु कृषि क्षेत्र में लगातार 3 वर्षों के परीक्षणों उपरांत राष्ट्रीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7.81% अधिक उत्पादन दिया है। तथा तेल की मात्रा राष्ट्रीय चेकों से 7.4% अधिक है। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं। इस प्रजाति में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि निश्चित तौर पर यह प्रजाति प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

सीएसए के वैज्ञानिकों ने विकसित की सरसों की नई प्रजाति 'गोवर्धन'

डॉ [illegible]

120 से 125 दिनों में पक कर तैयार होगी फसल, तेज की मात्रा 39.6 फीसदी तक

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 9 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग की ओर से सरसों की विलंब से बोई जाने वाली (20 नवम्बर तक) तथा अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन (केएमआरएल 17-5) प्रजाति का विकास किया है। इस प्रजाति से किसानों को देर से बोने की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि सरसों की जो विकसित प्रजाति गोवर्धन महेश 120 से 125 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है इस प्रजाति में तेल की मात्रा 39.6 फ़ीसदी तक पाई जाती है। विश्वविद्यालय के प्रो महक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रजाति ने [illegible] चेक की तुलना म[illegible] फीसद अधिक उत्पादन दिया है। जबकि उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु कृषि क्षेत्र में लगातार 3 वर्षों के परीक्षणों उपरांत राष्ट्रीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7.81 प्रतिशत अधिक उत्पादन दिया है। तथा तेल की मात्रा राष्ट्रीय चेकों से 7.4 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं। इस प्रजाति में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि निश्चित तौर पर यह प्रजाति प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी

ास जमा कर
ा होता है।

...लिए 33,000 रुपये वार्षिक शुल्क है।

सकते हैं। प्रवेश की प्रक्रिया जुलाई तक ही चलेगी। जिन प्रवेशार्थियों को पूर्व की

अमर उजाला 10/07/2024

अब नवंबर से बोएं सरसों की नई प्रजाति गोवर्धन

माई सिटी रिपोर्टर

सीएसए के तिलहन अनुभाग ने की है विकसित, कीटों से रहेगी सुरक्षित तेल की मात्रा भी पाई जाती अधिक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग ने सरसों की देर से बोई जाने वाली और अधिक तेल देने वाली प्रजाति गोवर्धन (केएमआरएल 17105) विकसित की है। इसको 20 नवंबर तक बोया जा सकता है। देर से बोआई के बाद भी इस प्रजाति से किसानों को बंपर पैदावार मिलेगी और यह फसल महुआ कीट से भी बची रहेगी।

इस प्रजाति के विकास के लिए तिलहन विभाग के प्रो. महक सिंह के नेतृत्व में पिछले 10 सालों से शोध चल रहा है।

निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने बताया कि सरसों की प्रजाति गोवर्धन 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है। इसमें तेल की मात्रा 39.6 फीसदी तक पाई जाती है। प्रो. महक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रजाति ने चेक प्रजाति की तुलना में 4.9 फीसदी अधिक उत्पादन दिया है।

उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु वाले कृषि क्षेत्र में इस प्रजाति ने तीन वर्षों के परीक्षण के बाद राष्ट्रीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7.81 फीसदी अधिक उत्पादन दिया है। इसमें तेल की मात्रा भी 7.4 फीसदी अधिक है।

उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं। इस में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है। नवंबर में बोने के कारण इसमें महुआ कीट नहीं लगता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी है। कहा है कि निश्चित तौर पर यह प्रजाति प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

विभाग सावधान होता है।

हिंदुस्तान 10/07/2024

गोवर्धन की बुआई करें, अच्छी पैदावार होगी

कानपुर। सरसों की प्रजाति गोवर्धन की बुआई अब 20 नवंबर तक कर सकेंगे। इससे न सिर्फ पैदावार अच्छी होगी बल्कि उससे 40 फीसदी तेल भी निकलेगा। सरसों की विशेष प्रजाति को सीएसए के वैज्ञानिक प्रो. महक सिंह ने विकसित की है। विवि के तिलहन विभाग के प्रो. महक सिंह की अगुवाई में वैज्ञानिकों की टीम ने करीब 10 साल के शोध के बाद यह प्रजाति विकसित की। डॉ. पीके सिंह ने बताया कि सरसों की प्रजाति गोवर्धन 120 से 125 दिन में पक जाती है।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 10/07/2024

कम टाइम में तैयार होगी सीएसए की यह सरसों, तेल भी देगी ज्यादा

सीएसए ने डेवलप की सरसों की नई गोवर्धन वैरायटी 125 दिन में पकेगी

kanpur@inext.co.in

KANPUR (9 July): सीएसए के ऑयलसीड सेक्शन की ओर से सरसों की देर से बोई जाने वाली वैरायटी गोवर्धन (केएमआरएल 17-5) को डेवलप किया गया है. डायरेक्टर रिसर्च डॉ पीके सिंह ने बताया कि देर से बोई जाने वाली (20 नवम्बर तक) और अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन वैरायटी को डेवलप किया गया है. इस वैरायटी से किसानों को देर से बोन की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी. यह वैरायटी 120 से 125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है. इसमें तेल की मात्रा 39.6 फीसदी तक पाई जाती है.

FILE PHOTO

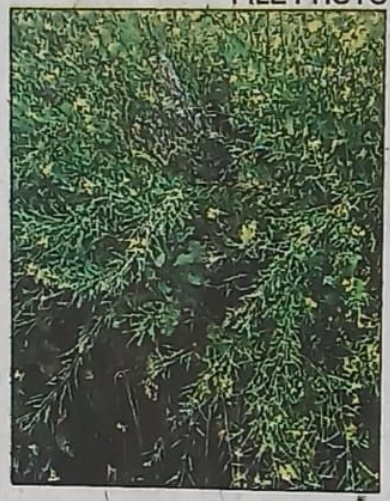

प्रोडक्शन उम्मीद से भी ज्यादा

प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि नेशनल लेवल पर इस वैरायटी ने चेक की तुलना में 4.9 परसेंट अधिक प्रोडक्शन किया है. जबकि यूपी के 10 विभिन्न क्लाइमेट एग्रीकल्चर एरिया में लगातार तीन सालों की टेस्टिंग के बाद नेशनल चेक वरदान और जोनल चेक आशीर्वाद वैरायटी से 7.81 परसेंट अधिक प्रोडक्शन दिया है. वहीं तेल की मात्रा नेशनल चेकों से 7.4 पर्सेंट अधिक है.

कीट और रोग भी कम

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस वैरायटी का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं. इस वैरायटी में अन्य वैरायटीज की अपेक्षा कीट और रोगों का प्रकोप कम रहता है. वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन वैरायटी डेवलप करने वाले साइंटिस्टों की टीम को बधाई दी.

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा से प्रसारित

मूल्य रू0 2.00 | कानपुर,बुधवार 10 जुलाई,2024 | (Email: up

सरसों की नई प्रजाति किसानों को करेगी मालामाल

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग द्वारा सरसों की विलंब से बोई जाने वाली 20 नवम्बर तक तथा अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन (केएमआरएल 17-5) प्रजाति का विकास किया है इस प्रजाति से किसानों को देर से बोने की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी उन्होंने बताया कि सरसों की गोवर्धन महेश आदि की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है इस प्रजाति में तेल

की मात्रा 39.6 फीसदी तक पाई जाती है विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रजाति ने चेक की तुलना में 4.9 फीसद अधिक उत्पादन दिया है जबकि उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु कृषि क्षेत्र में लगातार 3 वर्षों के परीक्षणों उपरांत राष्ट्रीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7.81% अधिक उत्पादन दिया है तथा तेल की मात्रा राष्ट्रीय चेकों से 7.4% अधिक है उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं इस प्रजाति में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि निश्चित तौर पर यह प्रजाति प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 12 कानपुर, बुधवार 10 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सरसों की गोवर्धन नई प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को दी बधाई

कानपुर । सीएसए के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग द्वारा सरसों की विलंब से बोई जाने वाली (20 नवम्बर तक) तथा अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन (केएमआरएल 17 ट्ठ5) प्रजाति का विकास किया है। इस प्रजाति से किसानों को देर से बोन की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी उन्होंने बताया कि सरसों की जो विकसित प्रजाति गोवर्धन महेश 120 से 125 दिनों में पकड़ तैयार हो जाती है इस प्रजाति में तेल की मात्रा 39.6 फ़ीसदी तक पाई जाती है।विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि राष्टीय स्तर पर इस प्रजाति ने चेक की तुलना में 4.9 फीसद अधिक उत्पादन दिया

डा. महक सिंह

है।जबकि उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु कृषि क्षेत्र में लगातार 3 वर्षों के परीक्षणों उपरांत राष्टीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7.81त्र अधिक उत्पादन दिया है। तथा तेल की मात्रा राष्टीय चेकों से 7.4त्र अधिक है। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं। इस प्रजाति में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सरसों की गोवर्धन प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि निश्चित तौर पर यह प्रजाति प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

हाथरस के गुनहगारों पर सख्त कार्रवाई की दरकार...

विवादित सीन्स पर जोगों की तालियों सुन परेशान हो गई थी तापसी

अंक :159 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,बुधवार 10 जुलाई 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2:00 रुपए

फर्जी

र्रवाई

ो नहीं जायेंगे

का फीडबैक लिया
आयुक्त नगर निगम
ार शिकायतों का
ा, जिसमें 1147 का
ट मिला।अधिशाषी
ी 619 शिकायतों में
क खराब मिला।
ा जलकल की 410
का फीडबैक खराब
याण विभाग की 315
276 का फीडबैक
बंधक जलकल स्तर
में 82 का फीडबैक
ंचायती राज विभाग
में 94 का फीडबैक
भागों की करीब 80
ा फीडबैक सही नहीं
ोटिस जारी करने के
ड़कंप मचा हुआ है।
होने के बाद
संपर्क कर विभागीय
क को पॉजिटिव करने
आईजीआरएस में
स्तारण गुणवत्तापूर्ण
र्य है।

सरसों की गोवर्धन नई प्रजाति विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को दी बधाई

कानपुर ! सीएसए के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग द्वारा सरसों की विलंब से बोई जाने वाली (20 नवम्बर तक) तथा अधिक तेल देने वाली सरसों की गोवर्धन (केएमआरएल 17_5) प्रजाति का विकास किया है।इस प्रजाति से किसानों को देर से बोन की दशा में सरसों की बंपर पैदावार मिल सकेगी उन्होंने बताया कि सरसों की जो विकसित प्रजाति गोवर्धन महेश 120 से 125 दिनों में पकड़ तैयार हो जाती है इस प्रजाति में तेल की मात्रा 39.6 फीसदी तक पाई जाती है।विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रजाति ने चेक की तुलना में 4.9 फीसद अधिक उत्पादन दिया है।जबकि उत्तर प्रदेश के 10 विभिन्न जलवायु कृषि क्षेत्र में लगातार 3 वर्षों के परीक्षणों उपरांत राष्ट्रीय चेक वरदान एवं जोनल चेक आशीर्वाद प्रजाति से 7.81% अधिक उत्पादन दिया है। तथा तेल की मात्रा राष्ट्रीय चेकों से 7.4% अधिक है। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का दाना मोटा और औसत वजन 4.8 ग्राम प्रति 1000 दाने हैं। इस प्रजाति में अन्य प्रजातियों की अपेक्षा कीट एवं रोगों का प्रकोप कम रहता है।

सदर विध

विधानसभ

चार सड़कों के चौड़ीक

के साथ की नाला व न

यूपी मैसेंजर

हमीरपुर। चित्रव
विधायकों के साथ स
मनोज प्रजापति ने म
सदर विधानसभा
सड़कों के चौड़ीक
उन्होंने चार सड़कों
सुदृढ़ीकरण के साथ
चंद्रावल नदी पर
स्वीकृत मांगी।सद
मनोज प्रजापति ने
मुख्यमंत्री से मिल वि